ईएसआईसी का 75वाँ स्थापना दिवस: पटना में 'सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020' और श्रमक कल्याण पर भव्य समारोह संपन्न

पटना, 24 फरवरी 2026:

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा आज दशरथ मांझी प्रेक्षागृह, समनपुरा में निगम का 75वाँ स्थापना दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया, जिसका मुख्य वषय "सामाजिक सुरक्षा कवच के 75 वर्ष एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020" था। इस ऐतिहासक समारोह का का वधवत उद्घाटन सुबह 09:30 बजे मुख्य अतिथ बिहार सरकार के माननीय श्रम संसाधन एवं प्रवासी मजदूर मजदूर कल्याण मंत्री श्री संजय संह 'टाइगर' तथा वशेष आमंत्रित अतिथ माननीय कृष मंत्री श्री रामकृपाल यादव यादव ने संयुक्त रूप से पंचदीप प्रज्वलत कर कया, जिसके पश्चात क्षेत्रीय निदेशक सीए. निरंजन कुमार ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर सभी गणमान्य अतिथयों का औपचारिक स्वागत कया।

समारोह को संबोधत करते हुए मुख्य अतिथ श्री संजय संह 'टाइगर' ने ईएसआईसी की 75 वर्षों की यात्रा को ऐतिहासक बताते हुए केंद्र सरकार की 'सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' की वस्तृत चर्चा की और कहा कयह नया नया कानून श्रमकों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कअब ईएसआई का सुरक्षा कवच केवल संगठित क्षेत्र तक सीमत नहीं रहेगा, बल्कि जोमैटो, स्विगी और ओला जैसे गग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स वर्कर्स तथा असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा, जो कमोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। नियोक्ताओं के लए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आश्वस्त क्या कअब अनुपालन का बोझ कम होगा, क्योंक कई रजिस्टरों के स्थान पर केवल एक रिटर्न और एक लाइसेंस की व्यवस्था होगी तथा निरीक्षण प्रणाली पूरी तरह वेब-आधारित और पारदर्शी होगी।

अपने संबोधन में वशेष अतिथ और बिहार के माननीय कृष मंत्री श्री रामकृपाल यादव ने ईएसआईसी के साथ अपने पुराने और गहरे संबंधों को साझा कया और बताया कसांसद रहते हुए ईएसआईसी कॉर्पोरेशन के सदस्य के के रूप में उन्होंने बिहटा मेडकल कॉलेज और फुलवारीशरीफ अस्पताल की स्थापना के लए लंबा संघर्ष कया है। उन्होंने कहा कखेत में काम करने वाला कसान और फैक्ट्री में पसीना बहाने वाला मजदूर, दोनों ही बिहार की तरक्की की दो मजबूत भुजाएँ हैं, और इन संस्थानों को आज सुचारू रूप से काम करते देख उन्हें व्यक्तिगत रूप बहुत संतोष मलता है। इसके उपरांत बिहार सरकार के श्रम सचव श्री दीपक आनंद और श्रम आयुक्त श्री राजेश भारती ने भी सभा को संबोधत करते हुए राज्य में श्रमक कल्याण के लए डजिटलीकरण और पारदर्शी प्रशासन की की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान ईएसआईसी मेडकल कॉलेज बिहटा के डीन श्री बिनय कुमार वश्वास एवं आदर्श अस्पताल फुलवारिशरीफ़ के चकत्सा अधीक्षक ने भी अपने वचार रखे।

कार्यक्रम के दौरान ईएसआईसी की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और सामाजिक सुरक्षा संहिता के लागू होने के बाद संगठन की बदलती भूमका पर एक वशेष लघु फल्म का प्रदर्शन कया गया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। इस इस अवसर का एक मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा, जिसमें दोपहर के सत्र में ईएसआई योजना के साथ

लंबे समय से जुड़े बीमत श्रमकों, उनके आश्रतों , एवं स्टाफ पेंशनभोगयों को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कया गया, जो संस्था के प्रति उनके अटूट वश्वास को दर्शाता है।

'सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' के संदर्भ में ईएसआई योजना के तहत मलने वाले सामाजिक सुरक्षा लाभों पर वषय वशेषज्ञों के साथ एक वस्तृत पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें नए कानूनी प्रावधानों की बारीकयों पर पर मंथन कया गया। पैनल में उप मुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय), उप श्रमायुक्त, बिहार सरकार, ईपीएफ़ओ के क्षेत्रीय आयुक्त राजेश्वर राजेश, नियोक्ता के तौर पर SIS के जीएम, हरिलाल वेंचर से साक्षी मनकनी, श्रमक संघ प्रतिनिध सम्पी कुमारी, सयाराम शर्मा, अधवक्ता सुधीर बीजपुरिया एवं डी पी संह व राज्य चकत्सा अधकारी श्री अधकारी श्री बिजय कुमार केशरी शामल रहे। संवाद सत्र में क्षेत्रीय निदेशक सीए. निरंजन कुमार ने 'सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' और अनुपालन पर आयोजित चर्चा के दौरान, उन्होंने स्लाइड के माध्यम से अनुपालन की बारीकयों को बहुत ही स्पष्टता के साथ समझाया।

आगे नियोक्ताओं और श्रमक संघों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का त्वरित समाधान कया तथा संहिता के प्रावधानों को स्पष्ट रूप से रखा। सीए. निरंजन कुमार ने नियोक्ताओं को आश्वस्त कया कनई संहिता का उद्देश्य उन्हें करना नहीं, बल्कि प्रक्रयाओं को सरल बनाना है, और इस अवसर पर ईएसआई योजना के साथ लंबे समय से जुड़े जुड़े बीमत श्रमकों, उनके आश्रतों और पेंशनभोगयों को सम्मानित कया गया, साथ ही बिहार क्षेत्र में नियमों का का उत्कृष्ट पालन करने वाले 10 सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कए गए। अंत में, एक सफल प्रश्न-उत्तर सत्र और धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस ऐतिहासक और ज्ञानवर्धक समारोह का समापन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में चकत्सक, नियोक्ता और श्रमक प्रतिनिध शामल हुए। तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस समारोह का समापन हुआ।